PRESS INFORMATION BUREAU
पत्र सूचना कार्यालय
GOVERNMENT OF INDIA
भारत सरकार

Nai Dunia, New Delhi
Saturday 22nd February 2014, Page: 6
Width: 8.28 cms, Height: 11.04 cms, a4, Ref: pmin.2014-02-22.44.93

नि:शुल्क दवा योजना दानदाताओं के भरोसे

■ खर्च कम करने के लिए राजे सरकार की कवायद

जयपुर (ब्यूरो)। राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की सबसे खास योजनाओं में शुमार और पूरे देश के लिए नजीर बनी नि:शुल्क दवा योजना अब दानदाताओं के भरोसे चलेगी। योजना पर खर्च हो रही बड़ी धनराशि के भार को कम करने के लिए सरकार ऐसा कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने गुरुवार को पेश किए लेखानुदान में जन कल्याणकारी योजनाओं को जन सहयोग से चलाने के संकेत दिए थे। जानकारी के अनुसार राज्य सरकार कभी इस योजना के लाभांवितों की संख्या कम करके तो कभी इसके कई बिंदुओं को संशोधित कर जैसे-तैसे इसे जारी रखने की जुगत में लगी हुई है। अब भाजपा सरकार इस योजना की समीक्षा कर इसे नए सिरे से लागू करने के दावे कर रही है। इस योजना का भविष्य 24 फरवरी को चिकित्सा मंत्री राजेंद्र राठौड़ की अध्यक्षता में होने वाली राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन की बैठक में तय होगा।

बैठक के एजेंडे में इस योजना को जन सहयोग से चलाने का बिंदु रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक सरकार इस योजना को जन सहयोग या फिर कुछ शर्तों के साथ निजी हाथों में सौंप सकती है। इससे सरकारी खजाने में बचत हो सकती है। फिलहाल अधिकांश दवाइयों की खरीद नहीं हो पा रही है। भाजपा सरकार के आने के बाद योजना पर असमंजस के चलते दवाइयों की खरीद नहीं हो पा रही है। योजना के तहत प्रदेश के अस्पतालों में करीब 500 प्रकार की दवाएं लोगों को मुफ्त उपलब्ध कराई जा रही हैं।

10